



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 165]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 9, 2002/चैत्र 19, 1924

No. 165]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 9, 2002/CHAITRA 19, 1924

भारतीय रिजर्व बैंक

( विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग )

( केन्द्रीय कार्यालय )

अधिसूचना

मुंबई, 1 जनवरी, 2002

विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( संशोधन ) विनियमावली, 2002

सा. का. नि. 258( अ ).— विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 ( 1999 का 42 ) की धारा 6 की उपधारा ( 3 ) के खण्ड ( क ) और धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 3 मई, 2000 की उसकी अधिसूचना सं. फेमा 19/आरबी-2000 के आंशिक संशोधन में भारतीय रिजर्व बैंक, समय-समय पर यथासंशोधित, विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2000 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथा :—

1. ( क ) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( संशोधन ) विनियमावली, 2002 कहा जायेगा।

( ख ) ये विनियम शासकीय गजट में उसके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

2. विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2000 में,

( अ ) विनियम 6 में उप-विनियम ( 6 ) के बाद निम्नलिखित उप विनियम जोड़ा जाये, यथा :

7( क ) इस विनियम के अंतर्गत भारत से विप्रेषण के जरिए निवेश करने के उद्देश्य हेतु भारत के बाहर के कंपनी के शेयरों का मूल्यांकन इनके द्वारा होना चाहिए;

( i ) जहां निवेश 5 ( पांच ) अमेरिकी डालर से अधिक है वहां भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के साथ पंजीकृत किसी श्रेणी I व्यापारी बैंकर अथवा मेजबान देश में उचित विनियामक प्राधिकारी के पास पंजीकृत भारत के बाहर किसी निवेश बैंकर/व्यापारी बैंकर द्वारा और

( ii ) अन्य सभी मामलों में किसी सनदी लेखाकार अथवा किसी प्रमाणित लोक लेखाकार द्वारा

( ख ) इस विनियम के अंतर्गत निवेश करने के उद्देश्य हेतु भारत के बाहर किसी वर्तमान कंपनी के शेयरों के अर्जन द्वारा जहाँ प्रतिफल भारतीय पार्टी के निर्गम द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः अदा किया जाने वाला है, वहाँ सभी मामले में भारत के बाहर कंपनी के शेयरों का मूल्यांकन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ( सेबी ) के पास पंजीकृत किसी श्रेणी I व्यापारी बैंकर अथवा मेजबान देश में उचित विनियामक प्राधिकारी के पास पंजीकृत भारत के बाहर किसी निवेश बैंकर/व्यापारी बैंकर द्वारा किया जाना चाहिए।''

(आ) विनियम 9 में उप-विनियम (2) के बाद निम्नलिखित उप-विनियम जोड़ा जाये, यथा :—

“(2क) उप-विनियम (2) के अंतर्गत आवेदन फार्म ओडीआई में किया जाये।

(क) भारत से विप्रेषण के जरिए निवेश करने के उद्देश्य हेतु भारत के बाहर कंपनी के शेयरों का इनके द्वारा किया गया मूल्यांकन संलग्न किया जाये,

(i) जहाँ निवेश 5 (पांच) दशलक्ष अमेरिकी डालर से अधिक है वहाँ सेबी के पास पंजीकृत किसी श्रेणी I व्यापारी बैंकर अथवा मेसबान देश में उचित विनियामक प्राधिकारी के पास पंजीकृत किसी निवेश बैंकर/व्यापारी बैंकर; और

(ii) अन्य सभी मामलों में किसी सनदी लेखाकार अथवा किसी प्रमाणित लोक लेखाकार द्वारा

(ख) भारत के बाहर किसी वर्तमान कंपनी के शेयरों के अर्जन द्वारा निवेश करने के उद्देश्य हेतु जहाँ प्रतिफल भारतीय पार्टी के शेयरों के निर्गम द्वारा पूर्णतः अथवा अंशतः अदा की जानेवाली है वहाँ सेबी के पास पंजीकृत किसी श्रेणी I व्यापारी बैंकर अथवा मेसबान देश की उचित विनियामक प्राधिकारी के पास पंजीकृत किसी निवेश बैंकर/व्यापारी बैंकर द्वारा किया गया मूल्यांकन संलग्न किया जाना होगा।

(इ) विनियम 17ख के बाद निम्नलिखित विनियम जोड़ा जाये, यथा :—

“17 ग. भारत में किसी स्वामित्व संस्था को भारत के बाहर किसी कंपनी के शेयर्स उक्त कंपनी को दी गई व्यावसायिक सेवा हेतु उसके लिए देय शुल्कों के बदले में स्वीकृत करने हेतु एक वर्ष के लिए वैध सामान्य अनुमति प्राप्त करने के लिए फार्म ओडीबी में आवेदन करना चाहिए।

बशर्ते कि :—

(क) भारत के बाहर प्रत्येक कंपनी से स्वीकृत शेयरों का मूल्य उस कंपनी से भारतीय पार्टी द्वारा प्राप्य शुल्कों के पचास प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए; और

(ख) पूर्वोक्त के अनुसार स्वीकृत शेयरों के आधार पर भारत के बाहर किसी एक कंपनी में भारतीय संस्था की शेयर धारिता भारत के बाहर कंपनी के प्रदत्त पूँजी के दस प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए जिसके शेयर स्वीकृत किये गये हैं।”

[सं. फेमा 48/2002-आर बी]

कि. ज. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

## RESERVE BANK OF INDIA

(Exchange Control Department)

(Central Office)

### NOTIFICATION

Mumbai, the 1st January, 2002

#### Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) (Amendment) Regulations, 2002

**G.S.R. 258(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 6 and Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999, (42 of 1999), and in partial modification of its Notification No. FEMA. 19/RB-2000, dated May 3, 2000, the Reserve Bank of India makes the following Regulations to amend the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000, as amended from time to time, namely :

(a) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) (Amendment) Regulations, 2002.

(b) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000,

(A) in Regulation 6, after sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be inserted, namely :

“(7) (a) For the purposes of investment under this Regulation by way of remittance from India, the valuation of shares of the company outside India shall be made, –

- (i) where the investment is more than US \$ 5 (five) million, by a Category I Merchant Banker registered with Securities and Exchange Board of India (SEBI), or an Investment Banker/Merchant Banker outside India registered with the appropriate regulatory authority in the host country; and
- (ii) in all other cases, by a Chartered Accountant or a Certified Public Accountant.”

“(b) For the purposes of investment under this Regulation by acquisition of shares of an existing company outside India where the consideration is to be paid fully or partly by issue of the Indian party's shares, the valuation of shares of the company outside India shall in all cases, be carried out by a Category I Merchant Banker registered with the Securities and Exchange Board of India (SEBI) or an Investment Banker/Merchant Banker outside India registered with the appropriate regulatory authority in the host country.”

(B) in Regulation 9, after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be inserted, namely :

“(2A) An application made under sub regulation (2) in Form ODI

(a) for the purpose of investment by way of remittance from India, shall be accompanied by the valuation of shares of the company outside India, made --

- (i) where the investment is more than US \$ 5 (five) million, by a Category I Merchant Banker registered with SEBI or an Investment Banker/Merchant Banker registered with the appropriate regulatory authority in the host country; and
- (ii) in all other cases, by a Chartered Accountant or a Certified Public Accountant.

(b) for the purposes of investment by acquisition of shares of an existing company outside India where the consideration is to be paid fully or partly by issue of the Indian party's shares, shall be accompanied by the valuation carried out by a Category I Merchant Banker registered with the SEBI or an Investment Banker/Merchant Banker registered with the appropriate regulatory authority in the host country."

(C) after Regulation 17B, the following Regulation shall be inserted, namely :-

"17C A proprietary concern in India may apply to the Reserve Bank in Form ODB for general permission valid for a period of one year to accept shares of a company outside India in lieu of fees due to it for professional services rendered to the said company.

Provided that :-

- (a) the value of the shares accepted from each company outside India shall not exceed fifty percent of the fees receivable by the Indian party from that company; and

- (b) the Indian concern's share holding in any one company outside India by virtue of shares accepted as aforesaid shall not exceed ten percent of the paid-up capital of the company outside India, whose shares are accepted. ”

[No. FEMA 48/2002-RB]

K. J. UDESHI, Executive Director

( प्रशासन प्रभाग )

( राजभाषा कक्ष )

अधिसूचना

मुंबई, 19 जनवरी, 2002

**विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( द्वितीय संशोधन ) विनियमावली, 2002**

सा. का. नि. 259( अ ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 ( 1999 का 42 ) की धारा 6 की उपधारा ( 3 ) के खण्ड ( क ) और धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिनांक 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 19/2000-आरबी के आंशिक संशोधन में भारतीय रिज़र्व बैंक समय-समय पर यथासंशोधित, विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2000 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, यथा:—

1. ( क ) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( द्वितीय संशोधन ) विनियमावली, 2002 कहा जायेगा।
- ( ख ) ये सरकारी राजपत्र में उसके प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।
2. विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2000 में विनियम 6 के उप-विनियम ( 2 ) के खण्ड ( i ) में परंतुक के बाद निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाये :—  
“ बशर्ते इसके आगे यह है कि 50 दशलक्ष अमेरिकी डालर की सीमा किसी विशेष आर्थिक क्षेत्र में स्थित किसी ईकाई द्वारा वित्तीय वचनबद्धता के लिए लागू नहीं होगी जहाँ निवेश समय समय पर यथा संशोधित विदेशी मुद्रा प्रबंध ( भारत में निवासी किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी करेंसी खाता ) विनियमावली, 2000 के अनुसार बनाये रखे उसके ईईएफसी खाता में धारित शेपों में से किया गया है। ”

[ सं. फेमा 49/2002-आर बी ]

कि. ज. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

(Administration Division)

(Official Language Cell)

NOTIFICATION

Mumbai, the 19th January, 2002

**Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security)  
(Second Amendment) Regulations, 2002**

**G.S.R. 259(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-section (3) of Section 6 and Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999, (42 of 1999), and in partial modification of its Notification No. FEMA 19/2000-RB, dated May 3, 2000, the Reserve Bank of India makes the following Regulations to amend the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000, as amended from time to time, namely :

1. (a) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) (Second Amendment) Regulations, 2002.

(b) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000, in Regulation 6, in sub-regulation (2) in clause (I), after the proviso, the following proviso shall be added, namely:

“Provided further that the ceiling of US \$ 50 million shall not apply to financial commitment by a unit located in a Special Economic Zone where the investment is made out of balances held in its EEFC account, maintained in accordance with the Foreign Exchange Management (Foreign Currency Accounts by a Person Resident in India) Regulations, 2000, as amended from time to time.

[No. FEMA 49/2002-RB]

K. J. UDESHI, Executive Director

अधिसूचना

मुंबई, 20 फरवरी, 2002

सा. का. नि. 260(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 47 की उप-धारा (2) के खण्ड (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई, 2000 की उसकी अधिसूचना सं. फेमा 24/2000-आरबी में अधिक संशोधन करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत में फर्म या स्वामित्व प्रतिष्ठान में निवेश) विनियमावली, 2000 में निम्नलिखित संशोधन करता है, यथा :—

1. (क) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत में फर्म या स्वामित्व प्रतिष्ठान में निवेश) (संशोधन) विनियमावली, 2002 कहा जायेगा।

(ख) ये सरकारी गजट में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. विदेशी मुद्रा प्रबंध (भारत में फर्म या स्वामित्व प्रतिष्ठान में निवेश) विनियमावली, 2000 में विनियम 4 के परंतुक में खण्ड (घ) के बाद निम्नलिखित खण्ड जोड़ा जाये, यथा :—

“(ङ) फर्म या स्वामित्व प्रतिष्ठान प्रिंट मीडिया में लगा हुआ नहीं है।”

[सं. फेमा 50/2002-आर बी]

कि. ज. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

## NOTIFICATION

Mumbai, the 20th February, 2002

**G.S.R. 260(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (h) of Sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999, (42 of 1999), and in partial modification of its Notification No. FEMA 24/2000-RB, dated May 3, 2000, the Reserve Bank of India makes the following amendment in the Foreign Exchange Management (Investment in Firm or Proprietary concern in India) Regulations, 2000, namely :

1. (a) These Regulations may be called the Foreign Management (Investment in Firm or Proprietary concern in India) (Amendment) Regulations, 2002.

(b) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Foreign Exchange Management (Investment in Firm or Proprietary concern in India) Regulations, 2000, in Regulation 4, in the proviso, after clause (d), the following clause shall be added, namely :-

“(e) the firm or the proprietary concern is not engaged in print media.”

[No. FEMA 50/2002-RB]

K. J. UDESHI, Executive Director

### अधिसूचना

मुंबई, 27 फरवरी, 2002

विदेशी मुद्रा प्रबंध ( भारत में निवासी किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी करेंसी खाता ) ( संशोधन ) विनियमावली, 2002

सा. का. नि. 261(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 ( 1999 का 42 ) की धारा 9 के खण्ड (ख) और धारा 47 की उप-धारा (2) के खण्ड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई 2000 की उसकी अधिसूचना सं. फेमा 10/2000-आरबी में आंशिक संशोधन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा प्रबंध ( भारत में निवासी किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी करेंसी खाता ) विनियमावली, 2000 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियमों को बनाता है, अर्थात् :-

#### 1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

- इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध ( भारत में निवासी किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी करेंसी खाता ) ( संशोधन ) विनियमावली, 2002 कहा जायेगा।
- ये सरकारी गजट में उसकी प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

#### 2. विनियमों में संशोधन

विनियमावली, 2000 ( भारत में निवासी किसी व्यक्ति द्वारा विदेशी करेंसी खाता ) में विनियम 4 की अनुसूची में संशोधन ( इसके बाद “उक्त अनुसूची” के रूप में उल्लिखित ) उक्त अनुसूची में पैरा 1(1)(i) को निम्नलिखित के लिए प्रतिस्थापित किया जाये :-

“आवक विप्रेषण रिजर्व बैंक को दिये गये किसी वचन-पत्र के अनुसार प्राप्त विप्रेषण के अलावा सामान्य बैंकिंग चैनल के जरिए अथवा जो लिए गये विदेशी करेंसी ऋण खाता धारक द्वारा विशेष बाध्यताओं को पूरा करने के लिए प्राप्त को दर्शाता है।”

[ सं. फेमा 51/2002-आर बी ]

कि.ज. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

### NOTIFICATION

Mumbai, the 27th February, 2002

#### Foreign Exchange Management (Foreign Currency Accounts by a Person Resident in India) (Amendment) Regulations, 2002

G.S.R. 261(E).—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Section 9 and clause (e) of sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999, (42 of 1999), and in partial modification of its Notification No. FEMA. 10/2000-RB dated 3rd May 2000, the Reserve Bank of India makes the following Regulations to amend the Foreign Exchange

Management (Foreign Currency Accounts by a Person Resident in India) Regulations, 2000, namely :—

## **1. Short title and commencement**

- i) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Foreign Currency Accounts by a Person Resident in India) (Amendment) Regulations, 2002.
- ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

## **2. Amendment to the Regulations**

Amendment of the Schedule to Regulation 4 in the (Foreign Currency Accounts by a Person Resident in India) Regulations, 2000 (hereinafter referred to as "the said Schedule"),

In the said Schedule, the paragraph 1 (i) shall be substituted by the following :-

"Inward remittance through normal banking channel, other than the remittance received pursuant to any undertaking given to the Reserve Bank or which represents foreign currency loan raised or investment received from outside India or those received for meeting specific obligations by the account holder."

[No. FEMA 51/2002-RB]

K. J. UDESHI, Executive Director

अधिसूचना

मुंबई, 1 मार्च, 2002

विदेशी मुद्रा प्रबंध (निक्षेप) (संशोधन) विनियमावली, 2002

सा. का. नि. 262(अ).— भारतीय रिज़र्व बैंक, विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 6 की उपधारा (3) के खण्ड (च) और धारा 47 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 5/2000-आरबी में आंशिक संशोधन करते हुए विदेशी मुद्रा प्रबंध (निक्षेप) विनियमावली, 2000 में निम्नलिखित संशोधन करता है, यथा :—

1. (i) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध (निक्षेप) (संशोधन) विनियमावली, 2002 कहा जायेगा।
- (ii) ये पहली अप्रैल 2002 से लागू होंगे।
- (अ) विनियम 5 में
  - (i) उप-विनियम (1) में खण्ड (iv) तथा (v) छोड़ दिया जाये।
  - (ii) उप-विनियम (2) में शब्द और आंकड़े "खण्ड (i), (iii) और (v)" के लिए शब्द और आंकड़े "खण्ड (1) और (iii)" को प्रतिस्थापित करें।
  - (iii) उप-विनियम (2) के बाद निम्नलिखित उप-विनियम जोड़ा जाये, यथा :—
- "(3)(क) 1 अप्रैल 2002 की और से



- (i) अनिवासी (अप्रत्यावर्तनीय) रुपया खाता योजना (एनआरएनआर खाता) अथवा अनिवासी (विशेष) रुपया खाता योजना (एनआरएसआर खाता) के अंतर्गत किसी भी निक्षेप को, चाहे वर्तमान निक्षेप का नवीकरण अथवा अन्यथा के द्वारा स्वीकार नहीं करना चाहिए;
- (ii) अनिवासी अप्रत्यावर्तनीय खाता योजना (एनआरएनआर) के अंतर्गत वर्तमान निक्षेपों को परिपक्वता की तिथि तक ही बनाये रखें;
- (iii) अनिवासी अप्रत्यावर्तनीय खाता योजना (एनआरएनआर) के अंतर्गत वर्तमान निक्षेप की परिपक्वता पर परिपक्वता आगमों को खाताधारक के अनिवासी (विदेशी) खाता (एनआरई खाता) की ओर, खाताधारक को सूचना देने के बाद, जमा करें।
- (ख) (i) अनिवासी विशेष रुपया (एनआरएसआर) खाता योजना के तहत मीयादी जमा के रूप में वर्तमान खाते को परिपक्वता की तिथि तक जारी रखें।
- (ii) अनिवासी विशेष रुपया खाता योजना (एनआरएसआर) के अंतर्गत वर्तमान मीयादी जमा की परिपक्वता पर परिपक्वता आगमों को खाताधारक के अनिवासी (सामान्य) खाता (एनआरओ) की ओर जमा करें।
- (iii) मीयादी जमा से इतर वर्तमान अनिवासी विशेष रुपया खाता (एनआरएसआर) 30 सितम्बर 2002 के बाद भी जारी रहेगा और खाताधारक के पास यह विकल्प होगा कि चाहे वह बंद कर सकता है अथवा उसमें धारित शेषों को उसके अनिवासी विदेशी (एनआरओ) खाता में उस तिथि को अथवा उसके पहले जमा कर सकता है।

**स्पष्टीकरण :** इस उप-विनियम के प्रयोजन हेतु "वर्तमान निक्षेप" अथवा "वर्तमान खाता" 31 मार्च 2002 को धारित निक्षेप अथवा खाता से अभिप्रेत है।

(आ) अनुसूची 4 में पैरा 1 में पहली उप-पैरा के लिए निम्नलिखित उप-पैरा प्रतिस्थापित करें, यथा :—

"भारत के बाहर रहने वाला कोई भी व्यक्ति (पाकिस्तान/बंगलादेश नागरिकता/स्वामित्व के व्यक्तिगतों/सत्त्वों को छोड़कर) प्राधिकृत व्यापारी के पास अनिवासी अप्रत्यावर्तनीय (एनआरएनआर) खाता खोल सकता है बशर्ते इस प्रकार का कोई भी खाता 1 अप्रैल 2002 को और से, चाहे वर्तमान खाता के नवीकरण अथवा अन्यथा के जरिए नहीं खोला गया हो।"

(इ) अनुसूची 5 के पैरा 1 में उप-पैरा (ii) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा प्रतिस्थापित करें, यथा;

"(iv) अनिवासी विशेष रुपया (एनआरएसआर) खाता योजना के अंतर्गत कोई भी खाता 1 अप्रैल 2002 को और से, चाहे वर्तमान निक्षेप के नवीकरण अथवा अन्यथा के द्वारा नहीं खोला जाना चाहिए।"

[ सं. केमा 52/2002-आर बी ]

वेपा कामेसम, उप गवर्नर

## NOTIFICATION

Mumbai, the 1st March, 2002

### Foreign Exchange Management (Deposit) (Amendment) Regulations, 2002

**G.S.R. 262(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (f) of sub-section (3) of Section 6 and sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999, (42 of 1999) and in partial modification of Notification No. FEMA 5/2000-RB dated May 3, 2000, the Reserve Bank of India makes the following amendments in the Foreign Exchange Management (Deposit) Regulations, 2000, namely :—

1. (i) These Regulations may be called the 'Foreign Exchange Management (Deposit) (Amendment) Regulations, 2002.'
- (ii) They shall come into force on 1<sup>st</sup> day of April 2002.
2. In the Foreign Exchange Management (Deposit) Regulations, 2000,
  - (a) in Regulation 5,

- (i) in sub-regulation (1), clauses (iv) and (v) shall be omitted;
- (ii) in sub-regulation (2), for the words and figures "clauses (i), (iii) and (v)",
  - the words and figures "clauses (i) and (iii)" shall be substituted;
- (iii) after sub-regulation (2), the following sub-regulation shall be added, namely:-

"(3) (a) On and from 1<sup>st</sup> April 2002,

- (i) no deposit, whether by way of renewal of existing deposit or otherwise, shall be accepted under the Non-Resident (Non-Repatriable) Rupee Account Scheme (NRNR Account) or the Non-Resident (Special) Rupee Account Scheme (NRSR Account);
  - (ii) existing deposits under the NRNR Account Scheme may be continued only upto the date of maturity;
  - (iii) on maturity of the existing deposit under the NRNR Account Scheme, the maturity proceeds shall be credited to the account holder's Non-Resident (External) Account (NRE Account), after giving notice to the account holder.
- (b) (i) the existing account in the form of a term deposit of the NRSR Account Scheme may be continued till the date of maturity.
- (ii) on maturity of the existing term deposit under the NRSR Account Scheme, the maturity proceeds shall be credited to the account holder's Non-Resident (Ordinary) Account (NRO Account).
- (iii) existing NRSR account, other than a term deposit, shall not be continued after 30<sup>th</sup> September 2002 and may at the option of the account holder, be closed or the balance therein credited to his NRO account on or before that date.

Explanation: For the purpose of this sub-regulation, "existing deposit" or "existing account" means a deposit or an account held on 31<sup>st</sup> March 2002".

- (b) in Schedule 4, in Paragraph 1, for the first sub-paragraph, the following sub-paragraph shall be substituted, namely:-

"Any person resident outside India (except individuals/entities of Pakistan/Bangladesh nationality/ownership) may open NRNR account with an authorised dealer, provided that no such account shall be opened on and from 1<sup>st</sup> April 2002, whether by renewal of existing deposit or otherwise."

(c) in Schedule 5, in Paragraph 1, after sub-paragraph (iii), the following sub-paragraph shall be inserted, namely:-

"(iv) No account under NRSR Account Scheme shall be opened on and from 1<sup>st</sup> April 2002, whether by renewal of existing deposit or otherwise."

[No FEMA 52/2002-RB]

VEPA KAMESAM, Dy Governor

( विदेशी निवेश प्रभाग )

अधिसूचना

मुम्बई, 1 मार्च, 2002

विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी भी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( संशोधन )

विनियमावली, 2002

सा. का. नि. 263 ( अ ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 ( 1999 का 42 ) की धारा 6 की उपधारा (3) का खंड (ए) और धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 19/आरबी-2000 में आंशिक संशोधन करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी भी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2000 में समय-समय पर, निम्नलिखित विनियम में संशोधन किया है, यथा :—

1. (क) इन विनियमावली को विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी भी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) ( तृतीय संशोधन ) विनियमावली, 2002 कहा जाए।

(ख) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन पर लागू होंगे।

2. विदेशी मुद्रा प्रबंध ( किसी भी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गम ) विनियमावली, 2002, में विनियमावली 6, में

(क) खंड (1) में, उप-विनियम (2) में "50 दशलक्ष अमेरिकी डालर" के शब्दों और आंकड़ों को "100 (एक सौ) दशलक्ष अमेरिकी डालर", ऐसे शब्दों और आंकड़ों से प्रतिस्थापित किया जाए;

(ख) खंड (ii) में, उप-विनियम (3) में "निविल संपत्ति के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी" के शब्दों और आंकड़ों को "निविल संपत्ति के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी" ऐसे शब्दों और आंकड़ों से प्रतिस्थापित किया जाए।

[सं. फेमा 53/2002 आर बी]

कि. ज. उद्देशी, कार्यपालक निदेशक

(Overseas Investment Division)

NOTIFICATION

Mumbai, the 1st March, 2002

Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) (Amendment) Regulations, 2002

G.S.R. 263 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 6 and Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) and in partial modification of its Notification No FEMA 19/RB-2000 dated 3rd May, 2000, the Reserve Bank of India makes the following Regulations to amend the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000 as amended from time to time, namely —

1. (a) These Regulations shall be called the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) (Third Amendment) Regulations, 2002

(b) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations 2002, in Regulation 6,

(a) in sub-regulation (2), in clause (i), for the words and figures “US \$ 50 million”, the words and figures “US \$ 100 (One hundred) million”, shall be substituted;

(b) in sub-regulation (3), in clause (ii), for the words and figures “not exceeding 25% of the net worth”, the words and figures “not exceeding 50% of the net worth” shall be substituted

[No FEMA 53/2002-RB]  
K. J. UDESHI, Executive Director

### अधिसूचना

मुम्बई, 5 मार्च, 2002

विदेशी मुद्रा प्रबंध (विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न संविदा) (संशोधन)

विनियमावली, 2002

सा. का. नि. 264(अ).—विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 47 की उप-धारा (2) के खंड (ज) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई, 2000 की उसकी अधिसूचना सं. फेमा 25/आरबी-2000 में आंशिक संशोधन करते हुए, भारतीय रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा प्रबंध (विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न संविदा) विनियमावली, 2000 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

2. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(i) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध (विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न संविदा) (संशोधन) विनियमावली, 2002 कहा जाएगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में इसकी प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

3. संशोधन : विदेशी मुद्रा प्रबंध (विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न संविदा) विनियमावली, 2000, में अनुसूची I के पैरा क. 1 के मद (क) में निम्नलिखित शब्दों को जोड़ा जाए।

“प्राधिकृत व्यापारी दस्तावेजी साक्ष्य का स्थापन करके अंतर्निहित जोखिम (एक्सपोजर) की वास्तविकता के बारे में संतुष्ट हो, अथवा अन्यथा रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर अनुमति दी गई हो।”

[सं. फेमा 54/2002-आर बी]  
कि. ज. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

### NOTIFICATION

Mumbai, the 5th March, 2002

### Foreign Exchange Management (Foreign Exchange Derivative Contracts) (Amendment) Regulations, 2002

G.S.R. 264 (E).—In exercise of the powers conferred by clause (h) of sub-section (2) of Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) and in partial modification of its Notification No FEMA. 25/RB-2000 dated 3rd May, 2000, the Reserve Bank of India makes the following Regulations to amend the Foreign Exchange Management (Foreign Exchange Derivative Contracts) Regulations, 2000, namely :—

2. Short title and commencement :—1 (i) These Regulations may be called the Foreign Exchange Management (Foreign Exchange Derivative Contracts) (Amendment) Regulation, 2002.

(ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

**3. Amendment :—**In the Foreign Exchange Management (Foreign Exchange Derivative contracts) Regulations 2000, the item (a) of Paragraph A.1 of the Schedule 1 shall be substituted by the following words :

“the authorised dealer through verification of documentary evidence is satisfied about the genuineness of the underlying exposure or as otherwise permitted by the Reserve Bank from time to time.”

[No. FEMA 54/2002-RB]  
K. J. UDESHI, Executive Director

### अधिसूचना

मुम्बई, 7 मार्च, 2002

**सा. का. नि. 265(अ).—**विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 (1999 का 42) की धारा 6 की उप-धारा (3) के खंड (क) और धारा 47 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और 3 मई, 2000 की उसकी अधिसूचना सं. फेमा 19/आरबी-2000 के आंशिक संशोधन में भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर यथासंशोधित विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गमन) विनियमावली, 2000 में निम्नलिखित संशोधन करता है, यथा :—

**2. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—**1. (i) इन विनियमों को विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गमन) (चौथा संशोधन) विनियमावली, 2002 कहा जाएगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में उसकी प्रकाशन की तिथि से लागू होंगे।

**विनियमों में संशोधन.—**2. विदेशी मुद्रा प्रबंध (किसी विदेशी प्रतिभूति का अंतरण अथवा निर्गमन) विनियमावली, 2000 में

(क) विनियम 18 में

(i) उप-विनियम (2) के लिए निम्नलिखित उप-विनियम प्रतिस्थापित किये जाएं, यथा :—

“(2) किसी भारतीय कंपनी अथवा संसद के किसी अधिनियम द्वारा निर्मित किसी निकाय कंपनी की हैसियत से भारत में निवासी व्यक्ति

(i) भारत के बाहर निवासी किसी व्यक्ति को विदेशी करेंसी प्रत्यावर्तनीय बाण्ड (एफसीसीबी) अनुसूची II में निर्धारित शर्तों के अधीन जारी कर सकता है जो 50 दशलक्ष अमेरिकी डालर से अधिक नहीं हो,

(ii) जहां निर्गम 50 दशलक्ष अमेरिकी डालर से अधिक है किंतु 100 दशलक्ष अमेरिकी डालर से अधिक नहीं है वहां अनुमोदन के लिए फार्म ईसीबी में रिजर्व बैंक को आवेदन कर सकते हैं,

(iii) जहां निर्गम 100 दशलक्ष अमेरिकी डालर से अधिक है वहां अनुमोदन के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग) को आवेदन कर सकते हैं,”

(ii) “उप विनियम (3) में उप-विनियम (2) उल्लिखित कंपनी/निकाय कंपनी” शब्दों के लिए उन “विनियम (2) के खण्ड (iii) में उल्लिखित कंपनी/निकाय कंपनी” शब्दों को प्रतिस्थापित किये जाएं।

(ख) वर्तमान अनुसूची को “अनुसूची-I” रूप में पुनः संख्यांकित करें;

(ग) अनुसूची-I के बाद निम्नलिखित अनुसूची जोड़ा जाये, यथा :—

### अनुसूची

विनियम 18 (2) (i) देखें

[ विदेशी करेंसी प्रत्यावर्तनीय बाण्डों ]

( एफसीसीबी ) के जारी हेतु स्वचालित मार्ग

(1) जारी किये जाने वाले विदेशी करेंसी प्रत्यावर्तनीय बाण्ड (एफसीसीबी) समय-समय पर यथा घोषित भारत सरकार की विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति (क्षेत्रीय कैप और क्षेत्रों जहां विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अनुमत है को शामिल) और समय-समय पर जारी रिजर्व बैंक विनियमों/दिशा-निर्देशों के अनुरूप हो।

- (ii) विदेशी करेन्सी प्रत्यावर्तनीय बाण्डों के निर्गम किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 दशलक्ष अमेरिकी डालर की उच्चतम सीमा के अधीन हो।
- (iii) विदेशी करेन्सी प्रत्यावर्तनीय बाण्डों के सार्वजनिक निर्गम केवल अन्तर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार में प्रतिष्ठित अग्रणी प्रबंधकों (लीड मैनेजर) के जरिए होना चाहिए निजी नियोजन के मामले में नियोजन बैंकों के साथ, अथवा बहु-पक्षीय और द्विपक्षीय वित्तीय संस्थाओं, अथवा विदेशी सहयोगियों, अथवा जारीकर्ता कंपनी का प्रदत्त इक्विटी पूंजी का 5 प्रतिशत धारित करने वाले विदेशी इक्विटी धारक के साथ होना चाहिए।
- (iv) विदेशी करेन्सी प्रत्यावर्तनीय बाण्ड की परिपक्वता 5 वर्षों से कम नहीं होनी चाहिए। कॉल अँड पुट ऑप्शन (call and put option), यदि कोई हो तो 5 वर्षों से पहले उसका प्रयोग नहीं होना चाहिए।
- (v) वारण्टों के साथ जोड़े हुए विदेशी करेन्सी प्रत्यावर्तनीय बाण्डों को जारी करना मना है।
- (vi) सब मिलाकर लागत 3 मई, 2000 की अधिसूचना सं. फेमा 3/2000-आरबी के साथ संलग्न अनुसूची में निर्दिष्ट बाह्य वाणिज्यिक उधारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में उन निर्धारित से 100 मूल बिन्दुओं से कम रहेगा। इस सब मिलाकर लागत में कूपन दर, विमोचन प्रीमियम, चूक भुगतानों, वचनबद्धता शुल्कों, प्रारंभिक शुल्कों, ऋण वृद्धि सुविधाओं के कारण प्रभारों, यदि कोई, शामिल है। तथापि विधि शुल्क, अग्रणी प्रबंधकों का शुल्क, फूटकर खर्च जैसे निर्गम से संबंधित व्यय शामिल नहीं है।
- (vii) विदेशी बाह्य वाणिज्य उधार आगमों को उपयोग स्टॉक मार्केट में निवेश के लिए नहीं करना चाहिए और ऐसे उद्देश्यों के लिए उपयोग करना होगा जिसके लिए विदेशी बाह्य वाणिज्य उधार आगमों को उपयोग करने के लिए बाह्य वाणिज्य उधार योजनाओं के अंतर्गत अनुमत है।
- (viii) यदि विदेशी करेन्सी प्रत्यावर्तनीय बाण्डों को आयातों/विदेशी मुद्रा पूंजीगत व्यय वित्तपोषण हेतु जारी किया गया हो तो आगमों को भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमोदन के साथ विदेश में रख सकते हैं। अन्य सभी मामलों में आगमों को निर्गम प्रक्रिया पूरी होते ही भारत को तुरंत प्रत्यावर्तित करना होगा।
- (ix) निर्गम से संबंधित व्यय निर्गम आकार के 4 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए और निजी नियोजन के मामले में वह निर्गम आकार के 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।
- (x) जारीकर्ता मत्व निर्गम के पूर्ण होने की तिथि से 30 दिनों के भीतर निम्नलिखित व्योरे देते हुए और दस्तावेजों के साथ भारतीय रिजर्व बैंक के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय को किसी नामोद्घिष्ट शाखा के जरिए एक रिपोर्ट प्रस्तुत करें :
  - (क) जारी विदेशी बाह्य वाणिज्य उधारों की कुल राशि
  - (ख) भारत के बाहर निवास करने वाले निवेशकर्ताओं के नाम और उन प्रत्येक को जारी विदेशी बाह्य वाणिज्य उधारों की संख्या, और
  - (ग) सामान्य बैंकिंग चैनलों के जरिए भारत को प्रत्यावर्तित राशि और/अथवा बैंक प्रमाणपत्रों से विधिवत समर्थित।

[सं. फेमा 55/2002-आर बी]  
कि. जे. उदेशी, कार्यपालक निदेशक

## NOTIFICATION

Mumbai, the 7th March, 2002

**G.S.R. 265(E).**—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (3) of Section 6 and Section 47 of the Foreign Exchange Management Act, 1999 (42 of 1999) and in partial modification of its Notification No. FEMA. 19/RB-2000 dated 3rd May, 2000, the Reserve Bank of India makes the following amendments to the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000 as amended from time to time, namely :—

### Short title and commencement:-

1. (i) These Regulations may be called the "Foreign Exchange Management

**(Transfer or Issue of any Foreign Security) (Fourth Amendment) Regulations, 2002."**

**(ii) They shall come into force with effect from the date of their publication in the Official Gazette.**

**Amendment of the Regulations**

**2. In the Foreign Exchange Management (Transfer or Issue of any Foreign Security) Regulations, 2000**

**(a) In Regulation 18**

**(i) for sub-regulation (2), the following Sub-Regulation shall be substituted, namely:-**

**"(2) A person resident in India, being an Indian Company or a Body Corporate created by an Act of Parliament,**

**(i) may issue FCCBs not exceeding US\$50 million, to a person resident outside India in accordance with and subject to the conditions stipulated in Schedule II;**

**(ii) where the issue exceeds US \$50 million but does not exceed US \$100 million, may apply to the Reserve Bank in Form ECB for permission to issue FCCBs;**

**(iii) where the issue exceeds US \$100 million, may apply to the Government of India, Ministry of Finance, (Department of Economic Affairs) for approval".**

**(ii) In sub-regulation (3), for the words " The company/ body corporate referred to in sub-regulation (2)", the words " The company/ body corporate referred to in clause (iii) of sub-regulation (2)" shall be substituted;.**

**(b) existing Schedule shall be re-numbered as "Schedule I",**

- (c) after Schedule I, the following Schedule shall be added, namely:-

**Schedule II**

**See Regulation 18 (2)(i)**

**Automatic Route for Issue of Foreign Currency Convertible Bonds (FCCBs)**

- (i) The FCCBs to be issued will have to conform to the Foreign Direct Investment Policy (including Sectoral Cap and Sectors where FDI is permissible) of the Government of India as announced from time to time and the Reserve Bank's Regulations/directions issued from time to time.
- (ii) The issue of FCCBs shall be subject to a ceiling of U S \$ 50 million in any one financial year.
- (iii) Public issue of FCCBs shall be only through reputed lead managers in the international capital market. In case of private placement, the placement shall be with banks, or with multilateral and bilateral financial institutions, or foreign collaborators, or foreign equity holder having a minimum holding of 5% of the paid up equity capital of the issuing company. Private placement with unrecognised sources is prohibited.
- (iv) The maturity of the FCCB shall not be less than 5 years. The call & put option, if any, shall not be exercisable prior to 5 years.
- (v) Issue of FCCBs with attached warrants is not permitted.
- (vi) The "all in cost" will be 100 basis points less than those prescribed for External Commercial Borrowing (ECB) schemes specified in the Schedule to Notification No: FEMA 3/2000-RB dated 3<sup>rd</sup> May 2000. The "all in cost" shall include coupon rate, redemption premium,



default payments, commitment fees, and fronting fees, if any, but shall not include the issue related expenses such as legal fees, lead managers fees, out of pocket expenses.

- (vii) The FCCB proceeds shall not be used for investment in Stock Market, and may be used for such purposes for which ECB proceeds are permitted to be utilised under the ECB schemes.
- (viii) In case the FCCBs are issued for financing imports/foreign exchange capital expenditure, the proceeds can be retained abroad with the approval of the Reserve Bank of India. In all other cases, the proceeds shall be repatriated to India immediately on completion of issue process.
- (ix) The issue related expenses shall not exceed 4% of issue size and in case of private placement, shall not exceed 2% of the issue size.
- (x) The issuing entity shall, within 30 days from the date of completion of the issue, furnish a report to the concerned Regional Office of the Reserve Bank of India through a designated branch of an Authorized Dealer giving the details and documents as under:
  - (a) The total amount of the FCCBs issued,
  - (b) Names of the investors resident outside India and number of FCCBs issued to each of them, and
  - (c) The amount repatriated to India through normal banking channels and/or, duly supported by bank certificates.

[No. FEMA 55/2002-RB]  
K. J. UDESHI, Executive Director

